लघु उद्योग भारती

Registration No. RAJBIL/2016/69093
OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

UDYOG TIMES

Volume - 6 Issue - 12 October 2023
Total Pages - 24 Price - Rs. 10

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
नागपूर महानगर
श्री विजयादशमी उत्सव- २०२३

संकल्प दिवस

संकटों को मात कर
ये राष्ट्र विजयी हो हमारा।

गूँज उठे गूँज उठे
भारत माँ की जय जयकार

उद्योग हित। राष्ट्र हित ।।

लघु उद्योग भारती, बिहार प्रदेश इकाई द्वारा

लघु उद्योग भारती

लघु उद्योग मेला–2023

स्थान – ज्ञान भवन, पटना

8 दिसम्बर 2023 से 11 दिसम्बर 2023

का आयोजन होने जा रहा है।

UDYOG TIMES

OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

Volume -6 **Issue - 12** **October, 2023**

Editorial Board

■ **Patron**

Shri (Dr.) Krishna Gopal ji, Sampark Adhikari

Shri Prakash Chandra ji, National Org. Secretary	099299-93660
Shri Ghanshyam Ojha, National President	098290-22896
Shri Om Prakash Gupta, National Gen. Secretary	095602-55055

■ **Publisher**

Om Prakash Mittal, Past President	094140-51265

■ **Editor**

Dr. Kirti Kumar Jain	094141-90383

■ **Associate Editor**

Mahendra Kumar Khurana	098290-68865

■ **Co-Editor**

Dr. Sanjay Mishra	098295-58069

विवरणिका

Editorial 03-03

अपने देश में जो है उसको युगानुकूल... 04-07

उत्तर प्रदेश आगरा में उद्यमी महासम्मेलन आयोजित ... 07-07

Recommendations of 52nd GST Council... 08-10

‘भारत के मैनचेस्टर’ भीलवाड़ा में आईआईएफ-2023... 11-14

LUB's News in Brief ... 15-22

Price - 10/- ***Life Membership 1000/-***

An In-House Monthly Magazine of Laghu Udyog Bharati
published by Om Prakash Mittal
Mail: opmittal10256@gmail.com Web : www.lubindia.com

Corporate Office & Head Office :
Plot No. 48, Deendayal Upadhyay Marg,
New Delhi-110002
Ph.: 011-23238582

Registered Office :
Plot No. 184, Shivaji Nagar, Nagpur-440011
Ph.: 0712-2533552

Start-up Deals...

Editorial

Dr. Kirti Kumar Jain
kkjain383@gmail.com

There is significant drop in deal activity in the Indian start-up sector in 2023 (year-to-date) compared to the same period in 2022, according to a latest report. While there is 39 percent overall decrease in the number of deals, value-wise the decrease is 68 percent. There is a whopping 83 percent value-wise decline in mergers and acquisitions. These figures somewhat reflect the challenges the sector is currently facing.

During that July-September quarter there were 302 deals with values amounting to $13.4 billion in the country and the start-up sector, along with e-commerce and IT & ITeS, led the way (64%). The Grant Thornton Bharat report is optimistic about India's growth prospects for 2023-24 and adds that traditional sectors such as pharmaceuticals and healthcare as well as e-commerce and IT & ITeS are likely to witness higher deal activities.

It is noteworthy here that there was no new unicorn in India in the first half of 2023, with start-ups raising just $5.48 billion during the period, compared to $19.5 billion during the same period last year. This data, provided recently by a market intelligence firm, reflects the funding winter facing the sector which witnessed 546 deal rounds in the first half of this year against 1,570 rounds in the same period last year.

Meanwhile, the IMF has raised its growth forecast for India for the current fiscal to 6.3 percent, pointing out stronger than expected consumption during April-June. On the other hand, the RBI last week retained the GDP projection for 2023-24 at 6.5 percent. In the background of this, along with growth-oriented policies, higher infrastructure spending and lower inflation, it seems our struggling start-up sector will see a revival soon.

I invite your opinions.

□□□

अपने देश में जो है उसको युगानुकूल बनाते हुए, हम अपना स्व-आधारित स्वदेशी विकास-पथ अपनाएँ

प्रेरक-पाथेय

मोहनराव भागवत
पूज्य सर संघचालक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(विजय दशमी उत्सव-2023 के अवसर पर दिये गए उद्बोधन के संपादित अंश)

दानवता पर मानवता की पूर्ण विजय के शक्ति-पर्व के नाते प्रतिवर्ष हम विजयदशमी का उत्सव मनाते हैं। इस वर्ष यह पर्व हमारे लिए गौरव, हर्षोल्लास तथा उत्साह बढ़ाने वाली घटनाएँ लेकर आया है। बीते वर्ष हमारा देश जी-20 नामक प्रमुख राष्ट्रों की परिषद का यजमान रहा। वर्षभर सदस्य राष्ट्रों के राष्ट्र प्रमुख, मंत्रीगण, प्रशासक तथा मनीषियों के अनेक कार्यक्रम भारत में अनेक स्थानों पर सम्पन्न हुए। भारतीयों के आत्मीय आतिथ्य का अनुभव, भारत का गौरवशाली अतीत तथा वर्तमान की उमंग भरी उड़ान सभी देशों के सहभागियों को प्रभावित कर गई। अफ्रीकी यूनियन को सदस्य के नाते स्वीकृत कराने में तथा पहले ही दिन परिषद का घोषणा प्रस्ताव सर्व सहमति से पारित करने में भारत की प्रामाणिक सद्भावना तथा राजनयिक कुशलता का अनुभव सबने पाया।

भारत के विशिष्ट विचार व दृष्टि के कारण संपूर्ण विश्व के चिंतन में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की दिशा जुड़ गई। जी-20 का अर्थ केंद्रित विचार अब मानव केन्द्रित हो गया। भारत को विश्व के मंच पर एक प्रमुख राष्ट्र के नाते दृढ़तापूर्वक स्थापित करने का अभिनंदनीय कार्य इस प्रसंग के माध्यम से हमारे नेतृत्व ने किया है। इस बार हमारे देश के खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में पहली बार 100 से अधिक - 107 पदक (28 सुवर्ण, 38 रजत तथा 41 कांस्य) जीतकर हम सब का उत्साह वर्धन किया है। उनका हम अभिनन्दन करते हैं।

उभरते भारत की शक्ति, बुद्धि तथा युक्ति की झलक चंद्रयान के प्रसंग में भी विश्व ने देखी। हमारे वैज्ञानिकों के शास्त्र-ज्ञान व तंत्र-कुशलता के साथ नेतृत्व की इच्छा-शक्ति जुड़ गई। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष युग के इतिहास में पहली बार भारत का विक्रम लैंडर उतरा। समस्त भारतीयों का गौरव व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला यह कार्य सम्पन्न करनेवाले वैज्ञानिक तथा उनको बल देने वाला नेतृत्व संपूर्ण देश में अभिनंदित हो रहा है।

संपूर्ण राष्ट्र के पुरुषार्थ का उद्गम उस राष्ट्र का वैश्विक प्रयोजन सिद्ध करने वाले राष्ट्रीय आदर्श होते है। इसलिए हमारे संविधान की मूल प्रति के एक पृष्ठ पर जिनका चित्र अंकित है ऐसे धर्म के मूर्तिमान प्रतीक श्रीराम के बालक रूप का मंदिर अयोध्या जी में बन रहा है। आने वाली 22 जनवरी को मंदिर के गर्भगृह में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी, यह घोषणा हो चुकी है। शताब्दियों की संकट परंपरा से जूझकर यशस्वी होकर अब हमारा भारत भौतिक व आध्यात्मिक उन्नति के पथ पर निश्चित रूप से आगे बढ़ रहा है, इसका संकेत देने वाली इन घटनाओं के हम सब सौभाग्यशाली साक्षी हैं।

आज के विश्व की वर्तमानकालीन समय की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए, अपने स्वयं के मूल्यों पर आधारित, काल सुसंगत, नया रूपरंग लेकर भारत खड़ा हो, यह विश्व की भी अपेक्षा है। मत-संप्रदायों को लेकर उत्पन्न हुए कट्टरपन, अहंकार व उन्माद को विश्व झेल रहा है। स्वार्थों के टकराव तथा अतिवादिता के कारण उत्पन्न होने वाले यूक्रेन के अथवा गाजा पट्टी के युद्ध जैसे कलहों का कोई निदान दिख नहीं रहा है। प्रकृति विरुद्ध जीवन-शैली, स्वैरता तथा अनिर्बंध उपभोगों के कारण नई-नई शारीरिक व मानसिक बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। विकृतियाँ व अपराध बढ़ रहे हैं। अति व्यक्तिवाद के कारण परिवार टूट रहे हैं।

अपने देश में जो है उसको युगानुकूल बनाते हुए, हम अपना स्व आधारित स्वदेशी विकास पथ अपनाएं, यह समय की आवश्यकता है। इस दृष्टि से कुछ नीतिगत परिवर्तन पिछले दिनों हुए हैं यह ध्यान में आता है। समाज में भी कृषि, उद्योग और व्यापार के, तत्संबंधित सेवाओं के क्षेत्र में, सहकारिता व स्वरोजगार के क्षेत्रों में, नए सफल प्रयोगों की संख्या वृद्धि भी निरंतर हो रही है। परंतु प्रशासन के क्षेत्र में, सभी क्षेत्रों में चिंतन करने वाले व दिशा देने वाले बुद्धिधर्मियों में, इस प्रकार की जागृति की और अधिक आवश्यकता है। शासन की 'स्व' आधारित युगानुकूल नीति, प्रशासन की तत्पर, सुसंगत व लोकाभिमुख कृति तथा समाज का मन, वचन, कर्म से सहयोग व समर्थन ही देश को परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ाएगा। परंतु समाज की सामूहिकता छिन्न-भिन्न हो कर अलगाव व टकराव बढे, यह प्रयास भी बढ़ रहे हैं। अपने अज्ञान, अविवेक, परस्पर अविश्वास अथवा असावधानी के कारण समाज में कहीं-कहीं ऐसे अप्रत्याशित उपद्रव व फूट बढ़ती ही जाती दिखाई दे भी रही है।

भारत के उत्थान का प्रयोजन विश्व-कृयाण ही रहा है। परन्तु इस उत्थान के स्वाभाविक परिणाम के नाते स्वार्थी, विभेदकारी तथा छल-कपट के आधार पर अपने स्वार्थ का साधन करने वाली शक्तियां अमर्यादित व अनियंत्रित होती हैं, इसलिए उनके द्वारा

निरंतर विरोध भी चलता है। यद्यपि यह शक्तियां किसी न किसी विचारधारा का आवरण ओढ़ लिया करती हैं, किसी मन लुभावन घोषणा अथवा लक्ष्य के लिए कार्यरत होने का छद्म रचती हैं, उनके वास्तविक उद्देश्य कुछ और ही होते हैं। प्रामाणिकता व नि:स्वार्थ बुद्धि से काम करने वाले लोग किसी भी विचारधारा के हों, किसी भी तरह का कार्य करते हों, उनके लिए बाधा ही होते हैं। आजकल इन सर्वभक्षी ताकतों के लोग अपने आपको सांस्कृतिक मार्क्सवादी या वोक (Woke) यानी जगे हुए कहते हैं। परंतु काल मार्क्स को भी उन्होंने 1920 दशक से ही भुला रखा है। विश्व की सभी सुव्यवस्था, मांगल्य, संस्कार, तथासंयम से उनका विरोध है। मुट्ठी भर लोगों का नियंत्रण सम्पूर्ण मानवजाति पर हो इसलिए अराजकता व स्वैराचरण का पुरस्कार, प्रचार व प्रसार वे करते हैं। माध्यमों तथा अकादमियों को हाथ में लेकर देशों की शिक्षा, संस्कार, राजनीतिव सामाजिक वातावरण को भ्रम व भ्रष्टता का शिकार बनाना उनकी कार्यशैली है। ऐसे वातावरण में असत्य, विपर्यस्त तथा अतिरंजित वृत्त के द्वारा भय, भ्रम तथा द्वेष आसानी से फैलता है। आपसी झगड़ों में उलझकर असमंजस व दुर्बलता में फंसा व टूटा हुआ समाज, अनायास ही इन सर्वत्र अपनी ही अधिसत्ता चाहने वाली विध्वंसकारी ताकतों का भक्ष्य बनता है। अपनी परम्परा में इस प्रकार किसी राष्ट्र की जनता में अनास्था, दिग्भ्रम व परस्पर द्वेष उत्पन्न करने वाली कार्यप्रणाली को मंत्र विप्लव कहा जाता है।

देश में राजनीतिक स्वार्थों के कारण राजनीतिक प्रतिस्पर्धी को पराजित करने के लिए ऐसी अवांछित शक्तियों के साथ गठबंधन करने का अविवेक है। समाज पहले से ही आत्म-विस्मृत होकर अनेक प्रकार के भेदों से जर्जर होकर, स्वार्थों की घातक प्रतिस्पर्धा, ईर्ष्या व द्वेष में उलझा है। इसलिये इन आसुरी शक्तियों को समाज या राष्ट्र को तोड़ना चाहने वाले अंदरूनी या बाहरी ताकतों का साथ भी मिलता है। मणिपुर की वर्तमान स्थिति को देखते हैं तो यह बात ध्यान में आती है। लगभग एक दशक से शांत मणिपुर में अचानक यह आपसी फूट की आग कैसे लग गई? क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमा पार के अतिवादी भी थे? अपने अस्तित्व के भविष्य के प्रति आशंकित मणिपुरी मैतेयी समाज और कुकी समाज के इस आपसी संघर्ष को सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास क्यों और किसके द्वारा हुआ? वर्षों से वहाँ पर सबकी समदृष्टि से सेवा करने में लगे संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास करने में किसका निहित स्वार्थ है? इस सीमा क्षेत्र में नागाभूमि व मिजोरम के बीच स्थित मणिपुर में ऐसी अशांति व अस्थिरता का लाभ प्राप्त करने में किन विदेशी सत्ताओं को रुचि हो सकती है? क्या इन घटनाओं की कारण परंपराओं में दक्षिण पूर्व एशिया की भू-राजनीति की भी कोई भूमिका है? देश में मजबूत सरकार के होते हुए भी यह हिंसा किनके बलबूते इतने दिन बेरोकटोक चलती रहीहै? गत 9 वर्षों से चल रही शान्ति की स्थिति को बरकरार रखना चाहने वाली राज्य सरकार होकर भी यह हिंसा क्यों भड़की और चलती रही? आज की स्थिति में जब संघर्षरत दोनों पक्षों के लोग शांति चाह रहे हैं, उस दिशा में कोई सकारात्मक कदम उठता हुआ दिखते ही कोई हादसा करवा कर, फिर से विद्वेष व हिंसा भड़काने वाली ताकतें कौन सी हैं? इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता रहेगी। इस हेतु जहां राजनीतिक इच्छाशक्ति, तदनुरूप सक्रियता एवं कुशलता समय की मांग है, वहीं इसके साथ-साथ दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति के कारण उत्पन्न परस्पर अविश्वास की खाई को पाटने में समाज के प्रबुद्ध नेतृत्व को भी एक विशेष भूमिका निभानी होगी। संघ के स्वयंसेवक तो समाज के स्तर पर निरंतर सबकी सेवा व राहत कार्य करते हुए समाज की सज्जनशक्ति का शांति के लिए आवाहन कर रहे हैं। सबको अपना मानकर, सब प्रकार की कीमत देते हुए समझाकर, सुरक्षित, व्यवस्थित, सद्भाव से परिपूर्ण और शांत रखने के लिए ही संघ का प्रयास रहता है। इस भयंकर व उद्विग्न करने वाली परिस्थिति में भी ठंडे दिमाग से हमारे कार्यकर्ताओं ने जिस प्रकार वहाँ सबकी संभाल के प्रयास किए, उस पर तथा उन स्वयंसेवकों पर हमें गर्व है।

इस मंत्र विप्लव का सही उत्तर तो समाज की एकता से ही प्राप्त होना है। हर परिस्थिति में यह एकता का भान ही समाज के विवेक को जागृत रखने वाली वस्तु है। संविधान में भी इस भावनिक एकता की प्राप्ति एक मार्गदर्शक तत्व के नाते उल्लेखित है। हर देश में इस एकता के भाव को पैदा करने वाला अपना-अपना धरातल अलग-अलग रहता है। कहीं पर उस देश की भाषा, कहीं पर उस देश के निवासियों का समान पूजा या विश्वास, कहीं पर सबका समान व्यापारिक स्वार्थ, कहीं पर एक प्रबल केंद्रीय सत्ता बंधन देश के लोगों को एक सूत्र में बाँधकर रखता है। परंतु मानव निर्मित कृत्रिम आधारों पर अथवा समान स्वार्थ के आधार पर बनी हुई एकता की डोर टिकाऊ नहीं होती। हमारे देश में तो इतनी विविधता है कि इस देश का एक देश के नाते अस्तित्व समझने के लिए भी लोगों को समय लगता है। परंतु हमारा यह देश एक राष्ट्र के नाते,एक समाज के नाते, विश्व के इतिहास के सारे उतार-चढ़ाव पार कर आज भी अपने भूतकाल के सूत्र से अविछिन्न सम्पर्क बनाए रखकर जीवित खड़ा है।

'यूनान मिस्र रोमा सब मिट गए जहां से, अब तक मगर है बाक़ी नामो निशां हमारा, कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहाँ हमारा'

भारत के बाहर के लोगों की बुद्धि चकित हो जाए, परंतु मन आकर्षित हो जाए ऐसी एकता की परंपरा हमारी विरासत में हमको मिली है। उसका रहस्य क्या है? नि:संशय वह हमारी सर्व समावेशक संस्कृति है। पूजा, परंपरा, भाषा, प्रांत, जाति-पाती इत्यादि भेदों से ऊपर उठकर, अपने कुटुंब से संपूर्ण विश्व कुटुंब तक आत्मीयता को विस्तार देने वाली हमारी आचरण की व जीवन जीने की रीति है। हमारे पूर्वजों ने अस्तित्व की एकता के सत्य का साक्षात्कार किया। उसके फलस्वरूप शरीर, मन, बुद्धि की एक साथ उन्नति करते हुए

तीनों को सुख देने वाला, अर्थ, काम को साथ लेकर मोक्ष की तरफ अग्रसर करने वाला धर्म तत्व उनको अवगत हुआ। उस प्रतीति के आधार पर उन्होंने धर्म तत्व के चार शाश्वत मूल्यों (सत्य, करुणा, शुचिता व तपस) को आचरण में उतारने वाली संस्कृति का विकास किया। चारों ओर से सुरक्षित तथा समृद्ध हमारी मातृभूमि के अन्न, जल, वायु के कारण ही यह संभव हुआ। इसलिए हमारी भारत भूमि को हमारे संस्कारों की अधिष्ठात्री माता मानकर उसकी हम भक्ति करते हैं।

हाल ही में स्वतंत्रता संग्राम के महापुरुषों का स्मरण अपनी स्वतंत्रता के 75 वे वर्ष के निमित्त हमने किया। हमारे धर्म, संस्कृति, समाज व देश की रक्षा, समय-समय पर उनमें आवश्यक सुधार तथा उनके वैभव का संवर्धन जिन महापुरुषों के कारण हुआ, वे हमारे कर्तृत्व संपन्न पूर्वज हम सभी के गौरव निधान हैं तथा अनुकरणीय हैं। हमारे देश में विद्यमान सभी भाषा, प्रान्त, पंथ, संप्रदाय, जाति, उपजाति इत्यादि विविधताओं को एक सूत्र में बाँधकर एक राष्ट्र के रूप में खड़ा करने वाले यही तीन तत्व (मातृभूमि की भक्ति, पूर्वज गौरव, व सबकी समान संस्कृति) हमारी एकता का अक्षुण्ण सूत्र है।

समाज की स्थाई एकता अपनेपन से निकलती है, स्वार्थ के सौदों से नहीं। हमारा समाज बहुत बड़ा है। बहुत विविधताओं से भरा है। कालक्रम में विदेश की कुछ आक्रामक परंपराएँ भी हमारे देश में प्रवेश कर गईं, फिर भी हमारा समाज इन्हीं तीन बातों के आधार पर एक समाज बनकर रहा। इसलिए हम जब एकता की चर्चा करते हैं, तब हमें यह ध्यान रखना होगा कि यह एकता किसी लेन-देन के कारण नहीं बनेगी। जबरदस्ती बनाई, तो बार-बार बिगड़ेगी। आज के वातावरण में समाज में कलह फैलाने के चले हुए प्रयासों को देखकर बहुत लोग स्वाभाविक रूप से चिंतित हैं, मिलते रहते हैं। अपने आप को हिंदू कहलाने वाले सज्जन भी मिलते हैं, जिनको उनकी पूजा के कारण मुसलमान, ईसाई कहा जाता है, ऐसे भी लोग मिलते हैं। उनकी मान्यता है कि फितना, फसाद व कितान को छोड़कर सुलह, सलामती व अमन पर चलना ही श्रेष्ठता है। इन चर्चाओं में ध्यान रखने की पहली बात यही है कि संयोग से एक भूमि में एकत्र आए विभिन्न समुदायों के एक होने की बात नहीं है। हम समान पूर्वजों के वंशज, एक मातृभूमि की संताने, एक संस्कृति के विरासतदार, परस्पर एकता को भूल गए। हमारे उस मूल एकत्व को समझकर उसी के आधार पर हमें फिर जुड़ जाना है।

अपने स्वतंत्र भारत के संविधान का भी 75 वां वर्ष चल रहा हैं। वह संविधान हमको यही दिशा दिखाता हैं। पूज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के द्वारा संविधान प्रदत्त करते समय संविधान सभा में जो दो भाषण दिए गए, उनका ध्यान करेंगे तो यही सार समझ में आता है।

यह यकायक होने वाला काम नहीं है। पुराने संघर्षों की कटु स्मृतियाँ अभी भी सामूहिक मन में हैं। विभाजन की दारुण विभीषिका का घाव बहुत गहरा है। उसकी क्रिया-प्रतिक्रिया के चलते जो क्षोभ मन में पैदा होता है उसकी रंजिश वाणी व व्यवहार में प्रकट होती है। एक-दूसरे की बस्तियों में घर न मिल पाने से लेकर तो एक-दूसरे के बारे में ऊँच-नीच का, तिरस्कार का व्यवहार होने तक के कटु अनुभव हैं। हिंसा, दंगे, प्रताड़ना आदि की घटनाओं का दोष एक-दूसरे पर मढ़ा जाने के प्रसंग भी घटते हैं। कुछ लोगों का करना पूरे समाज का करना है, ऐसे मानकर वाणी और विचार स्वैर छोड़े जाते हैं। आह्वान, प्रति-आह्वान दिए जाते हैं, जो उकसावे का काम करते हैं।

हमको लड़ाकर देश को तोड़ना चाहने वाली ताकतें भी इसका पूरा लाभ उठाती हैं। देखते-देखते छोटी-सी घटना को बड़ा रूप देकर प्रचारित किया जाता है। देश विदेश से चिंता व्यक्त करने वाले और चेतावनी देने वाले वक्तव्य करवाए जाते हैं। हिंसा भड़काने वाली 'टूल किट्स' सक्रिय हो जाती है और परस्पर अविश्वास और द्वेष को और बढ़ाया जाता है।

समाज में सामरस्य चाहने वाले सभी को इन घातक खेलों की माया से बचना पड़ेगा। इन सभी समस्याओं का निदान धीरे-धीरे ही निकलेगा। उसके लिए देश में विश्वास का तथा सौहार्द का वातावरण बनना यह पूर्व शर्त है। अपने मन को स्थिर रखकर विश्वास रखते हुए परस्पर संवाद बढ़े, परस्पर समझदारी बढ़े, परस्पर श्रद्धाओं का सम्मान उत्पन्न हो, और सबका मेलजोल बढ़ता चले, इस प्रकार अपने मन, वचन, कर्म रखकर चलना पड़ेगा। प्रचार अथवा धारणाओं से नहीं, वस्तु स्थिति से काम लेना पड़ेगा। धैर्यपूर्वक, संयम और सहनशीलता के साथ, अपने वाणी की तथा कृति की अतिवादिता, क्रोध तथा भय को छोड़कर दृढ़ता पूर्वक, संकल्पबद्ध होकर, लंबे समय तक सतत प्रयास करते रहने की अनिवार्यता है। शुद्ध मन से किए हुए सत् संकल्प तभी पूर्ण होते हैं।

हर हालत में, कितना भी उकसावा हो, कानून सुव्यवस्था, नागरिक अनुशासन तथा संविधान का पालन करके ही चलना अनिवार्य है। स्वतंत्र देश में यही व्यवहार देशभक्ति की अभिव्यक्ति माना जाता है। माध्यमों का उपयोग करके किए जाने वाले भड़काऊ अप-प्रचार में तथा उसके फलस्वरूप पैदा होने वाली आरोप-प्रत्यारोप की प्रतिस्पर्धा में न फसें, माध्यमों का उपयोग समाज में, सत्य व आत्मीयता का प्रसार करने के लिए हो। हिंसा व गुंडागर्दी का सही उपाय संगठित बल सम्पन्न समाज का कानून व सुव्यवस्था की रक्षा में पहल करते हुए शासन-प्रशासन को उचित सहयोग देना यही है।

आने वाले वर्ष 2024 के प्रारंभिक दिनों में लोकसभा के चुनाव हैं। चुनावी दाँव-पेचों में भावनाओं को भड़काकर मतों की फसल काटने के प्रयास अपेक्षित नहीं हैं, परंतु होते रहते हैं। समाज को विभाजित करने वाली इन बातों से हम बचें। मतदान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उसका अवश्य पालन करें। देश की एकात्मता, अखंडता, अस्मिता तथा विकास के मुद्दों पर विचार

करते हुए अपना मत दें।

वर्ष 2025 से 2026 का वर्ष संघ के 100 वर्ष पूरे होने के बाद का वर्ष है। ऊपर निर्दिष्ट सभी बातों में संघ के स्वयंसेवक तब अपना कदम बढ़ायेंगे, इसकी सिद्धता कर रहे हैं। समाज के आचरण में, उच्चारण में संपूर्ण समाज और देश के प्रति अपनत्व की भावना प्रकट हो। मंदिर, पानी, श्मशान में कहीं भेदभाव बाकी है, तो वह समाप्त हो। परिवार के सभी सदस्यों में नित्य मंगल संवाद, संस्कारित व्यवहार व संवेदनशीलता बनी रहे, बढ़ती रहे व उनके द्वारा समाज की सेवा होती रहे। सृष्टि के साथ संबंधों का आचरण अपने घर से पानी बचाकर, प्लास्टिक हटाकर व घर–आँगन में तथा आसपास हरियाली बढ़ाकर हो। स्वदेशी के आचरण से स्व–निर्भरता व स्वावलंबन बढ़े। फिजूलखर्ची बंद हो। देश का रोजगार बढ़े व देश का पैसा देश में ही काम आए। इसीलिए स्वदेशी का भी आचरण घर से ही प्रारंभ होना चाहिए। कानून–व्यवस्था व नागरिकता के नियमों का पालन हो तथा समाज में परस्पर सद्भाव और सहयोग की प्रवृत्ति सर्वत्र व्याप्त हो। इन पाँचों आचरणात्मक बातों का होना सभी चाहते हैं। परंतु छोटी–छोटी बातों से प्रारंभ कर उनके अभ्यास के द्वारा इस आचरण को अपने स्वभाव में लाने का सतत प्रयास आवश्यक है। संघ के स्वयंसेवक आने वाले दिनों में समाज के अभावग्रस्त बंधुओं की सेवा करने के साथ–साथ, इन पांच प्रकार की सामाजिक पहलों का आचरण स्वयं करते हुए समाज को भी उसमें सहभागी व सहयोगी बनाने का प्रयास करेंगे। समाज हित में शासन, प्रशासन तथा समाज की सज्जनशक्ति जो कुछ कर रही है, अथवा करना चाहेगी, उसमें संघ के स्वयंसेवकों का योगदान नित्यानुसार चलता रहेगा ही।

समाज की एकता, सजगता व सभी दिशा में निस्वार्थ उद्यम, जनहितकारी शासन व जनोन्मुख प्रशासन स्व के अधिष्ठान पर खड़े होकर परस्पर सहयोगपूर्वक प्रयासरत रहते है, तभी राष्ट्र बल वैभव सम्पन्न बनता है । बल और वैभव से सम्पन्न राष्ट्र के पास जब हमारी सनातन संस्कृति जैसी सबको अपना कुटुंब मानने वाली, तमस से प्रकाश की ओर ले जाने वाली, असत् से सत् की ओर बढ़ाने वाली तथा मर्त्य जीवन से सार्थकता के अमृत जीवन की ओर ले जानेवाली संस्कृति होती है, तब वह राष्ट्र, विश्व का खोया हुआ संतुलन वापस लाते हुए विश्व को सुखशांतिमय नवजीवन का वरदान प्रदान करता है। सद्य काल में हमारे अमर राष्ट्र के नवोत्थान का यही प्रयोजन है।

‘चक्रवर्तियों की संतान, लेकर जगतगुरु का ज्ञान,
बढ़े चले तो अरुण विहान, करने को आए अभिषेक,
‘प्रश्न बहुत से उत्तर एक’ – ‘भारत माता की जय’

□ □ □

उत्तर प्रदेश आगरा में उद्यमी महासम्मेलन आयोजित

लघु उद्योग भारती (उप्र) की आगरा इकाई में ‘उद्यमी महाअधिवेशन’ का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने आह्वान किया कि आप नये उद्योग उत्तर प्रदेश में लगायें, जिसमें एक हज़ार दिन तक एनओसी में छूट मिलेगी। यह भी कहा कि लघु उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कम खर्च, कम स्थान में रोजगार सृजन केंद्र बनाकर परिवारों का स्वावलंबन सिर्फ़ लघु उद्योगों से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसमें MSME उद्यमियों व GST रजिस्ट्रेशन करने वाले हर व्यापारी को 5 लाख रुपये का सुरक्षा बीमा दिया गया है।

कार्यक्रम में संगठन की ओर से भूमि आवंटन में स्टाम्प शुल्क में छूट, प्रदूषण विभाग के नियमों का सरलीकरण, विद्युत सिक्योरिटी राशि को नगद के स्थान पर बैंक गारंटी या किस्तों लेने, लखनऊ में कौशल विकास केंद्र की स्थापना हेतु 4000 वर्ग मीटर भूमि उचित दर पर आवंटित करने की मांगे भी रखी गई।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश शासन से आईसीडी श्री मनोज कुमार सिंह, CEO UPSIDA श्री मयूर माहेश्वरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से क्षेत्र संघचालक श्री सूर्यप्रकाश, क्षेत्र प्रचारक श्री महेंद्र जी, प्रांत प्रचारक श्री हरीश रौतेला, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री राकेश गर्ग, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री रविंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष श्री मधुसूदन दादू, प्रदेश महामंत्री श्री भरत थराड एवं प्रदेश के सभी संभागों के 60 जिलों से संगठन से जुड़े करीब 1200 उद्यमी सदस्य गण उपस्थित रहे।

□ □ □

Recommendations of 52nd GST Council Meeting

राजस्व सचिव
केंद्रीय वित्त मंत्री
राज्य मंत्री (वित्त)

The 52nd GST Council met under the Chairpersonship of Union Minister for Finance & Corporate Affairs Smt. Nirmala Sitharaman in New Delhi. The meeting was also attended by Union Minister of State for Finance Shri Pankaj Chaudhary, Chief Ministers of Goa and Meghalaya holding finance portfolio, besides Finance Ministers of States & UTs (with legislature) and senior officers of the Ministry of Finance & States/ UTs.

A. Recommendations relating to GST rates on goods and services

I. Changes in GST rates of goods

1. GST rates on "Food preparation of millet flour in powder form, containing at least 70% millets by weight", falling under HS 1901, with effect from date of notification, have been prescribed as:

a.) 0% if sold in other than pre-packaged and labelled form

b.) 5% if sold in pre-packaged and labelled form

2. To clarify that imitation zari thread or yarn made out of metallised polyester film /plastic film, falling under HS 5605, are covered by the entry for imitation zari thread or yarn attracting 5% GST rate. However, no refund will be allowed on polyester film (metallised) /plastic film on account of inversion.

3. Foreign going vessels are liable to pay 5% IGST on the value of the vessel if it converts to coastal run. GST Council recommends conditional IGST exemption to foreign flag foreign going vessel when it converts to coastal run subject to its reconversion to foreign going vessel in six months.

II. Other changes relating to Goods

1. GST Council recommended keeping Extra Neutral Alcohol (ENA) used for manufacture of alcoholic liquor for human consumption outside GST. Law Committee will examine suitable amendment in law to exclude ENA for use in manufacture of alcoholic liquors for human consumption from ambit of GST.

2. To reduce GST on molasses from 28% to 5%. This step will increase liquidity with mills and enable faster clearance of cane dues to sugarcane farmers. This will also lead to reduction in cost for manufacture of cattle feed as molasses is also an ingredient in its manufacture.

3. A separate tariff HS code has been created at 8 digit level in the Customs Tariff Act to cover rectified spirit for industrial use. The GST rate notification will be amended to create an entry

for ENA for industrial use attracting 18% GST.

III. Changes in GST rates of services

1. Entries at Sl. No. 3 and 3A of notification No. 12/2017-CTR dated 28.06.2017 exempts pure and composite services provided to Central/State/UT governments and local authorities in relation to any function entrusted to Panchayat/ Municipality under Article 243G and 243W of the Constitution of India. The GST Council has recommended retaining the existing exemption entries with no change.

2. Further, the GST Council has also recommended exempting services of water supply, public health, sanitation conservancy, solid waste management and slum improvement and upgradation supplied to Governmental Authorities.

IV. Other changes relating to Services

1. To clarify that job work services for processing of barley into malt attracts GST @ 5% as applicable to "job work in relation to food and food products" and not 18%.

2. With effect from 1st January 2022, liability to pay GST on bus transportation services supplied through Electronic Commerce Operators (ECOs) has been placed on the ECO under section 9(5) of CGST Act, 2017. This trade facilitation measure was taken on the representation of industry association that most of the bus operators supplying service through ECO owned one or two buses and were not in a position to take registration and meet GST compliances. To arrive at a balance between the need of small operators for ease of doing business and the need of large organized players to take ITC, GST Council has recommended that bus operators organised as companies may be excluded from the purview of section 9(5) of CGST Act, 2017. This would enable them to pay GST on their supplies using their ITC.

3. To clarify that District Mineral Foundations Trusts (DMFT) set up by the State Governments across the country in mineral mining areas are Governmental Authorities and thus eligible for the same exemptions from GST as available to any other Governmental Authority.

4. Supply of all goods and services by Indian Railways shall be taxed under Forward Charge Mechanism to enable them to avail ITC. This will reduce the cost for Indian Railways.

B. Measures for facilitation of trade:

i) Amnesty Scheme for filing of appeals against demand orders in cases where appeal could not be filed within the allowable time period:

The Council has recommended providing an amnesty scheme through a special procedure under section 148 of CGST Act, 2017 for taxable persons, who could not file an appeal under section 107 of the said Act, against the demand order under section 73 or 74 of CGST Act, 2017 passed on or before the 31st day of March, 2023, or whose appeal against the said order was rejected solely on the grounds that the said appeal was not filed within the time period specified in sub-section (1) of section 107. In all such cases, filing of appeal by the taxpayers will be allowed against such orders upto 31st January 2024, subject to the condition of payment of an amount of pre-deposit of 12.5% of the tax under dispute, out of which at least 20% (i.e. 2.5% of the tax under dispute) should be debited from Electronic Cash Ledger. This will facilitate a large number of taxpayers, who could not file appeal in the past within the specified time period.

ii) Clarifications regarding taxability of personal guarantee offered by directors to the bank against the credit limits/loans being sanctioned to the company and regarding taxability of corporate guarantee provided for related persons including corporate guarantee provided by holding company to its subsidiary company: The Council has inter alia recommended to:

(a) issue a circular clarifying that when no consideration is paid by the company to the director in any form, directly or indirectly, for providing personal guarantee to the bank/ financial institutes on their behalf, the open market value of the said transaction/ supply may be treated as zero and hence, no tax to be payable in respect of such supply of services.

(b) to insert sub-rule (2) in Rule 28 of CGST Rules, 2017, to provide for taxable value of supply of corporate guarantee provided between related parties as one per cent of the amount of such guarantee offered, or the actual consideration, whichever is higher.

(c) to clarify through the circular that after the insertion of the said sub-rule, the value of such supply of services of corporate guarantee provided between related parties would be governed by the proposed sub-rule (2) of rule 28 of CGST Rules, 2017, irrespective of whether full ITC is available to the recipient of services or not.

iii) Provision for automatic restoration of provisionally attached property after completion of one year: The Council has recommended an amendment in sub-rule (2) of Rule 159 of CGST Rules, 2017 and FORM GST DRC-22 to provide that the order for provisional attachment in FORM GST DRC-22 shall not be valid after expiry of one year from the date of the said order.

iv) Clarification on various issues related to Place of Supply: The Council has recommended issuing a Circular to clarify the place of supply in respect of the following supply of services:

(i) Supply of service of transportation of goods, including by mail or courier, in cases where the location of supplier or the location of recipient of services is outside India;

(ii) Supply of advertising services;

(iii) Supply of the co-location services.

v) Issuance of clarification relating to export of services : The Council has recommended to issue a circular to clarify the admissibility of export remittances received in Special INR Vostro account, as permitted by RBI.

vi) Allowing supplies to SEZ units/ developer for authorised operations for IGST refund route by amendment in Notification 01/2023-Integrated Tax dated 31.07.2023: The Council has recommended amending Notification No. 1/2023-Integrated Tax dated 31.07.2023 w.e.f. 01.10.2023 ☐☐☐

बारकोड के लिए प्रतिपूर्ति योजना

एमएसएमई मंत्रालय ने हाल ही में 26 जुलाई से बारकोड के लिए प्रतिपूर्ति योजना अधिसूचित की है। इस योजना के तहत 1000 बार कोड (यानी उत्पाद) या वास्तविक जो भी कम हो, प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म उद्यमों द्वारा भुगतान किए गए एकमुश्त पंजीकरण शुल्क और वार्षिक आवर्ती शुल्क (पहले तीन वर्षों के लिए) का 80त्न की वित्तीय सहायता है। अधिकतम रु. 50,650/– (पचास हजार छह सौ पचास) तक. 26 जुलाई, 2022 के बाद जीएस1 इंडिया बारकोड लेने वाली सूक्ष्म इकाइयां इस योजना के तहत पात्र हैं। जीएस1 बारकोड का उपयोग सभी प्रकार के उत्पादों जैसे खाद्य, मसाले, स्टेशनरी, परिधान, जूते, पोषक तत्वों की खुराक, सौंदर्य प्रसाधन, पेय पदार्थ पर किया जा सकता है और जीएस1 बारकोड का उपयोग निर्यात, खुदरा और ऑनलाइन बिक्री में भी किया जा सकता है। जीएस1 बारकोड होने से संगठनों को खुदरा विक्रेताओं, निर्यातकों और आयातक समुदाय के बीच बेहतर विश्वास हासिल करने में मदद मिलती है; ई–कॉमर्स पोर्टल में उत्पाद की तेजी से लिस्टिंग में मदद करता है; प्रमुख खुदरा स्टोर में उत्पाद की स्वीकार्यता बढ़ाना; निर्यात संबंधी अपनाने आदि में तेजी आती है। जीएस1 बारकोड को अपनाने से उत्पाद की विपणन क्षमता, साख और उपस्थिति में वृद्धि होगी। ☐☐☐

प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स में ईपीआर से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों को ईपीआर बाध्यता से किया मुक्त

भारत में प्लास्टिक पैकेजिंग वेस्ट के प्रबंधन के उद्देश्य से 2016 में बनाये गए नियमन के बाद से प्लास्टिक पैकेजिंग फ़िल्म/उत्पाद बनाने और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग करने वाले उद्यमी अतार्किक ईपीआर बाध्यता को झेल रहे थे। उत्तराखंड में इसी भ्रम के कारण राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नेफैक्ट्रियां सील करनी आरम्भ कर दीं। ऐसी परिस्थिति में लघु उद्योगभारती ने अप्रैल 2022 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और उद्यमियों की एकपरिचर्चा में इस नियमन का समग्र तथ्यात्मकविश्लेषण कर अधिकारियों को PWM Rules में आवश्यक सुधार के लिएआग्रह किया।दिसम्बर 2022 में एलयूबी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी के नेतृत्व में केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्रयादव के समक्ष इस विषय को प्रखरता से उठाया गया जिससे 15 दिन में देश के लाखों उद्यमियों को प्रारंभिक राहत मिलना संभव हुआ। निरन्तर संवाद से CPCB पोर्टल के सरलीकरण को सुनिश्चित करने के बाद अब लघुउद्योग भारती के सुझावों के अनुरूप 16 अक्टूबर, 2023 के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार सूक्ष्म और लघुउद्यमियों को EPR बाध्यता से मुक्त कर दिया गया है। ☐☐☐

‘भारत के मैनचेस्टर’ भीलवाड़ा में आईआईएफ-2023 उद्योग दर्शन प्रदर्शनी का सफल आयोजन

समारोह
लघु उद्योग भारती
15 सितम्बर 2023 शुक्रवार
प्रातः 11.30 बजे
INDIA
INDUSTRIAL

विशेष रिपोर्ट

उद्योग टाइम्स डेस्क

वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर का आठवां संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 15 से 17 सितंबर तक आयोजित तीन दिवसीय ‘उद्योग दर्शन भारत’ प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, लघु उद्योग भारती के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बलदेव भाई प्रजापति, स्थानीय सांसद श्री सुभाष बहेड़िया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक नेटवर्क-2 श्री हेमंत कारोलिया, भिलोसा इंडस्ट्रीज प्रा. लि. मुंबई के मार्केटिंग प्रेसिडेंट श्री संदीप रोहिल्ला एलयूबी भीलवाड़ा इकाई एवं फेयर कमेटी अध्यक्ष श्री महेश हुरकट ने दीप प्रज्वलित कर किया।

एमएसएमई सेक्टर की योजनाओं का लाभ उठायें युवा- कैलाश चौधरी

केंद्रीय मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने वाला एमएसएमई सेक्टर रोजगार देने में भी अग्रणी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी स्मॉल स्केल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए हर तरह से प्रयासरत हैं। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे एमएसएमई सेक्टर की योजनाओं का लाभ उठाकर अपना व्यवसाय शुरू करें। उन्होंने कहा कि नौकरी लेने के बजाए देने का सोचें और ये तभी संभव है जब हम एंटरप्रिन्योरशिप की ओर कदम बढ़ाएं।

16 सितंबर को टेक्निकल टैक्सटाइल पर श्री महेश मायेकर एवं श्री मनीष त्यागी ने विस्तृत प्रकाश डाला! लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल ने युवा उद्यमी कैसे बने विषय पर अनेक उदाहरणों के माध्यम से विचार व्यक्त किए! श्री संदीप डांगी ने उत्पाद की मार्केटिंग करने के विषय पर उपस्थित निर्माताओं और श्रोताओं को प्रेरित किया। रेडीमेड की संभावनाओं पर श्री सार्थक सागर ने उपयोगी चर्चा की!

भीलवाड़ा ने टेक्सटाइल को नया आयाम दिया- दर्शना जरदोश

भारत उद्योग दर्शन की विशिष्ट अतिथि केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश का संसद सत्र के कारण फेयर में आभासी संबोधन हुआ। श्रीमती जरदोश ने कहा कि रोजगार की दृष्टि से कृषि के बाद कपड़ा दूसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने इस उद्योग एवं व्यवसाय को एक नई ऊंचाई दी है जिस कारण इसे देश के मैनचेस्टर का गौरवशाली खिताब मिला है। श्रीमती जरदोश ने कहा कि उनकी सरकार कपड़ा उद्योग के हित में सदैव तत्पर है।

लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने में सरकार प्रतिबद्ध- गजेंद्र सिंह

17 सितम्बर को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मौसम की खराबी के कारण समापन-सत्र को वर्चुअल संबोधित किया। श्री शेखावत ने केंद्र सरकार द्वारा उद्योगों की स्थापना और विस्तार के लिए के लिए शुरू की गई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार लघु उद्योगों के कृयाण के लिए प्रतिबद्ध है क्योंहि देश की आर्थिकी को खड़ा करने में इस सेक्टर का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। इसलिए पिछले बरसों में सरकार ने लघु उद्योगों के लिए जो नीतियां बनाई हैं, वे पहले कभी नहीं थी।

स्किल भारतीय उद्यमियों के डीएनए में- प्रकाश चंद्र

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में देश के सभी उद्यमियों को आह्वान किया कि वे आर्थिक जगत में राष्ट्र की खोई हुई प्रतिष्ठा और अस्मिता को पुनः स्थापित करने में अपना योगदान करें। उन्होंने कहा कि भारत कौशल की खान है क्योंकि स्किल यहाँ के उद्यमियों के डीएनए में है और इसलिए इसे दुनिया का मैन्युफैक्चरिंग हब बनने से कोई नहीं रोक सकता। पूर्व में भारत ज्ञान, कौशल और निर्माण हर तरह से समृद्ध था और उसका उदाहरण ये है कि यहाँ 2 हजार काउंट का धागा भी बनता था, जो आज के मशीनरी युग में संभव नहीं है। भारत पुनः समृद्ध हो, इस हेतु उद्योग का जो योगदान हो सकता है, उस रोड मैप पर हम काम कर रहे हैं।

समापन
समारोह
INDIA
INDUSTRIAL
FAIR - 2023
लघु उद्योग भारती

अभी नहीं, तो कभी नहीं- घनश्याम ओझा

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने कहा कि संगठन के लिए अभी जो अनुकूल समय है वो लम्बी तपस्या के बाद आया है जिसमें लघु उद्योगों के संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी आवश्यक उपाय किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विदेश से आयात कम करके उत्पादन बढ़ाने, पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए उत्पादन बढ़ाने, और श्रमिकों को उद्योगों के साथ पारिवारिक माहौल उपलब्ध कराने एवं उद्योगों की वाटर ऑडिट जैसे महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

एसबीआई पदाधिकारी श्री अविनाश पाटोदी ने उद्योग के लिए

योजनाओं के बारे में बताया। सांसद श्री सुभाष बहेडिया ने कहा कि लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा की ग्रोथ देखकर बहुत प्रसन्नता होती है। इस उद्योग प्रदर्शनी को देखकर लगता है कि इस स्तर का आयोजन किसी मेट्रो सिटी में भी सहज नहीं है। लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ ने कहा कि संगठन ने अभी तक जो उद्योग मेले लगाए हैं उनमें यह पहला मेला है जिसे टेक्सटाइल को केंद्र में रखते हुए आयोजित किया है और ये सौ फीसद सफल रहा है।

17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती पर विधिवत पूजा की गई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल एवं विभाग संचालक श्री चांदमल सोमानी भी उपस्थित थे।

इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में देशभर से एक्जीबिटर्स ने एक ही छत के नीचे फाइबर, यार्न, फैब्रिक, गारमेंट्स, मशीनरी, स्पेयर पार्ट्स एवं माइनिंग सेक्टर के शानदार लाइव डिस्प्ले लगाए। टेक्सटाइल निर्माण में मुख्य रूप से काम आने वाली आधुनिक वीविंग, यार्न मशीन, प्रिंटिंग और प्रोसेसिंग मशीन के साथ सहायक मशीन जैसे वार्पिंग, फोल्डिंग, फैब्रिक चेकिंग आदि भी प्रदर्शित की गईं। स्पेयर पार्ट्स, एसेसरीज, पैकिंग मैटेरियल, कंप्रेसर, फैब्रिक टेस्टिंग, हीट सेटिंग जैसे उत्पाद की स्टाल भी रही। फेयर में माइनिंग और अनेक एमएसएमई कंपनियों ने भाग लिया। फेयर के सुगम आयोजन में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, बिलोसा इंडस्ट्रीज सूरत, आरसीएम ग्रुप, हिंदुस्तान जिंक, जिंदलस्टील, भारत सरकार का एमएसएमई विभाग आदि ने विशेष वित्तीय सहयोग प्रदान किया जिससे ये उद्योग प्रदर्शनी बृहद स्तर पर संभव हो सकी।

फेयर कन्वीनर श्री गिरीश अग्रवाल ने बताया कि गठित की गई विभिन्न टीमों ने कड़ी मेहनत से इस फेयर को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। सभी एक्जीबिटर्स और विजिटर्स की सुविधा का पूर्ण ध्यान रखा गया। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय नेतृत्व से निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग मिला, साथ ही भीलवाड़ा इकाई टीम ने भी इस कार्यक्रम को मूर्त रूप देने में भरपूर मेहनत की जिसमें श्री राजकुमार मेलाना, श्री सुरेश कोगटा, श्री अजय मूंदड़ा, श्री कमलेश मुनोत, श्री हरगोविंद सोनी, श्री रामकिशोर काबरा, श्रीमती पल्लवी लड्ढा, श्री राम प्रकाश काबरा, श्री पुनीत सोनी, श्री सुमित जागेटिया श्री सत्यनारायण झंवर श्री ऋषि सोमानी, श्री शिव प्रकाश झंवर, श्री दिनेश लड्ढा, श्री अजय अग्रवाल, श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल, श्री राजीव शर्मा, श्री शंभू प्रसाद काबरा, श्री रामरतन जागेटिया, श्री सत्यप्रकाश गग्गड, श्री अंकित राठी, श्री संजीव चिरानिया, श्री हरि अग्रवाल,

INDIA INDUSTRIAL FAIR -2023
"उद्योग दर्शन"
सितम्बर 15 16 17
लघु उद्योग भारती

श्री मनीष अजमेरा, श्री बाल किशन काबरा, श्री के के जिंदल, श्री पंकज अग्रवाल, श्री जगदीश अग्रवाल और श्री लक्ष्मी लाल तिवाड़ी का विशेष सहयोग रहा।

फेयर में महिला इकाई की भी विशेष भूमिका रही जिनमे श्रीमती चंदा मूंदड़ा, श्रीमती आशा सोमानी, श्रीमती स्नेहलता मेलाना, श्रीमती रेखा इनानी, श्रीमती स्नेहा जागेटिया, श्रीमती मांनकंवर काबरा, श्रीमती संगीता कांकानी, श्रीमती नीलम अग्रवाल, श्रीमती नीता बंसल, श्रीमती शशि काबरा, श्रीमती इंद्रा असावा, श्रीमती विमला जैन आदि का योगदान रहा।

एग्जीबिटर्स ने बातचीत में बताया कि फेयर का फुटफॉल आशा से अधिक रहा और सभी व्यवस्थाएं उच्च स्तर की रही।

इस अवसर पर लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा के नए पदाधिकारी भी चुने गए। श्री शंभू प्रसाद काबरा अध्यक्ष, श्री कमलेश मुणोत सचिव एवं श्री अजय अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोनीत किये गए। श्री हरी अग्रवाल, श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल, श्री सुरेश कोगटा, श्री अनूप बागड़ोदिया उपाध्यक्ष, श्री सत्यनारायण झंवर एवं श्री पुनीत सोनी सहसचिव श्री महेश हुरकट प्रांतीय उपाध्यक्ष होंगे।

कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओपी मित्तल, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सीए श्री योगेश गौतम, राष्ट्रीय सचिव श्री नरेश पारीक, प्रदेश महामंत्री श्री योगेंद्र शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री विमल कटियार, डॉ. संजय मिश्रा, जयपुर अंचल महामंत्री सुश्री सुनीता शर्मा भी उपस्थित रहे।

☐☐☐

गत वर्ष हुए कटनी ट्रेड फेयर की कुछ झलकियां

लघु उद्योग भारती

लघु उद्योग भारती

महिला ईकाई-कटनी

प्रस्तुत करता है

स्वयंसिद्धा

महिला समृद्धि प्रदर्शनी

दिनांक : 16,17,18 दिसम्बर 2023

स्थान : गुलमोहर गार्डन, कटनी

मनोरंजन
शॉपिंग
फूड कोर्ट
प्रतियोगिताएं

सशक्त महिला सशक्त भारत

स्टॉल रजिस्ट्रेशन के लिए QR कोड स्कैन करें।

हमें फॉलो करें। @lubsskatni

संपर्क करें मनीष सिंह 8815083973, निलेश विश्वकर्मा 9755701750, ईशान जैन 8959645888

LUB's News in Brief

Entrepreneurship Workshop conducted @ Siliguri

SILIGURI INSTITUTE OF TECHNOLOGY
ENTREPRENEURSHIP

LUB's North Bengal Unit organised an Entrepreneurship Workshop in association with Siliguri Institute of Technology. There were around 150 students. Response was exceptionally good. Around 13 students came up with their start-up ideas for next stage.

* * *

WB Team Discussed New Norms on Transactions

An important meeting was conducted with executive members of West Bengal team at Kolkata on 27th october in presence of former National President Shri Om Prakash Mittal, and Shri Amit Goyal. In this meeting, New norms on international transactions were discussed. Under the new rules, a reporting entity will have to identify clients for every international transaction above Rs 50,000, and ascertain the purpose of the business if not well defined. Every reporting entity shall…identify its clients, verify their identity using reliable and independent sources of identification, obtain information on the purpose and intended nature of the business relationship, where applicable and take reasonable steps to understand the nature of the customer's business, and its ownership and control.

* * *

इंदौर महानगर में उद्यमी सम्मेलन आयोजित

मध्यप्रदेश के मालवा अंचल स्थित इंदौर महानगर में 6 नवीन इकाइयों एवं एक महिला इकाई का पुनर्गठन कार्यक्रम एवं उद्यमी सम्मेलन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने कहा कि आगामी समय में इंदौर में आर्थिक राजधानी बनने की पूरी संभावनाएं हैं। उन्होंने महिलाओं को भी कार्य विस्तार के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर इंदौर महानगर सांसद श्री शंकर लालवानी, एलयूबी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री समीर मूंदड़ा एवं अन्य पदाधिकारियों और तीन सौ उद्यमियों की उपस्थिति रही। आयोजन में महिला इकाई द्वारा सजाई गई सुंदर रंगोली सभी के आकर्षण का केंद्र रही।

* * *

उत्तर-पूर्व में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत श्रमदान

Swachhata Hi Seva

एलयूबी उत्तर–पूर्व अंचल असम में स्वच्छ भारत अभियान के तहत जन मानस में सफाई पर जागरूकता के लिए लघु उद्योग भारती ने भारत सरकार के एनएसआईसी विभाग के साथ मिलकर गुवाहाटी के बामूनी मैदान औद्योगिक पार्क में एक अक्टूबर को श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया।

* * *

गुवाहाटी में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

MALE REPRODUCTIVE ENDOCRINOLOGY
ADRENAL
DIABETES
FEMALE REPRODUCTIVE ENDOCRINOLOGY
PITUITARY
PREVENTIVE PODIATRY & FOOT CARE
WELCOM
YOU AL

एलयूबी पूर्वोत्तर प्रांत की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन गुवाहाटी में किया जिसमें काफी संख्या में महिलाओं सहित उद्यमियों ने भाग लिया तथा स्वास्थ्य जांच करवाई। स्वास्थ्य शिविर में डॉ. आदित्य गौतम की देखरेख में चिकित्सकों की टीम ने इस लिपिड प्रोफाइल, रैंडम ब्लड शुगर और थायराइड आदि जांच निशुल्क की गई। लघु उद्योग भारती के सोशियल कमेटी संयोजक श्री अंकित जोधनी ने बताया कि संगठन सामाजिक सरोकारों में निरंतर संलग्न है और टाटा के सहयोग से पेयजल मशीन लगाने का कार्य किया जा रहा है।

* * *

राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी बैठक अजमेर में संपन्न

लघु उद्योग भारती राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक अजमेर में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी ने कहा कि लघु उद्योगों के हितार्थ काम करने वाला यह सबसे बड़ा संगठन बन गया है। लघु उद्यमी अपनी समस्याओं एवं सुझावों को निडर होकर लघु उद्योग भारती के समक्ष रखने लगे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने कहा कि हमारे देश को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में उद्यमियों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। निवर्तमान अध्यक्ष श्री बलदेवभाई प्रजापति ने राष्ट्रीय अर्थतंत्र को सुदृढ़ करने में लघु उद्योग भारती को सहायक संगठन बताया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय कार्यवाह श्री जसवन्त खत्री ने देश-हित में शत-प्रतिशत मतदान हेतु आह्वान किया।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड एवं प्रदेश महामंत्री श्री योगेन्द्र कुमार शर्मा सहित पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। विभिन्न अंचलों और इकाइयों के संगठनात्मक, औद्योगिक एवं सेवा कार्यों की समीक्षा भी की गई। वर्तमान में प्रदेश में 134 इकाइयां एवं लगभग 9250 सदस्य है।

* * *

लेबल से जुड़े मामलों में जेल की सजा का प्रावधान हटाने की अपील

लघु उद्योग भारती ने भारत सरकार से अपील की है कि वाणिज्यिक क्षेत्र में उपभोक्ता लेबल में गड़बड़ी से संबंधित मामलों में जेल की सजा के प्रावधान को हटा कर सिर्फ जुर्माना होना चाहिए। एलयूबी जयपुर अंचल अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार गर्ग ने कहा कि अगर केन्द्र सरकार जेल की सजा के प्रावधान को लागू रखना चाहती है तो, यह केवल गंभीर मामलों और बार-बार होने वाले अपराधों के लिये ही होना चाहिए। श्री गर्ग ने बताया कि पैकेजिंग नियमों की जटिलता माप-तौल निरीक्षकों को छोटे-छोटे मामलों में नोटिस जारी करने अवसर प्रदान करती है। अनजाने में होने वाले नियमों की चूक पर सख्ती से कार्रवाई की जाती है, जिससे उद्यमियों को अनुचित रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विधिक माप, विज्ञान अधिनियम, 2009 वाणिज्यिक क्षेत्र में उपयोग किये जाने वाले वजन, माप और लेवल के मानक को स्थापित और लागू करता है। इस अधिनियम में कठोर दंडात्मक प्रावधानों और नियमों की जटिलता को लेकर लंबे समय से इसकी आलोचना होती रही है।

* * *

जयपुर प्रांत में अलवर महिला इकाई का गठन

लघु उद्योग भारती, अलवर
"महिला ईकाई गठन"
व
दायित्व ग्रहण समारोह

लघु उद्योग भारती अलवर में महिला इकाई का गठन राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी के सान्निध्य में 6 अक्टूबर को हुआ।

नवनियुक्त इकाई अध्यक्ष श्रीमती शिवानी यादव व महासचिव श्रीमती अलका सिंह सहित उनकी टीम को संगठन की रीति-नीति से अवगत कराया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू सिंह, जयपुर अंचल अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार गर्ग और अंचल महामंत्री सुश्री सुनीता शर्मा भी उपस्थित रहे।

□ □ □

जयपुर प्रांत में नदबई इकाई का गठन

लघु उद्योग भारती, राजस्थान के जयपुर प्रांत के भरतपुर जिले में नदबई इकाई का गठन चार अक्टूबर को किया गया। इकाई अध्यक्ष श्री नरेन्द्र तालान व सचिव श्री सुमित अग्रवाल को दायित्व दिया गया। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजूसिह, जयपुर प्रांत अध्यक्ष श्री सुधीर गर्ग, महामंत्री सुश्री सुनिता शर्मा, श्री महेन्द्र मिश्रा, श्री मनीष जौहरी, श्री सुशील काबरा, श्री अशोक जागिड़, श्री लोकेश शर्मा, श्री जेपी चुग, श्री अक्षय हाडा, श्री नाहरसिंह नदबई सहित उद्यमीगण उपस्थित रहे। नदबई इकाई में 28 नये सदस्य बनाये गये।

□ □ □

भरतपुर महिला इकाई का गठन

लघु उद्योग भारती
भरतपुर (राज.)
महिला इकाई गठन एवं उद्यमी मिलन समारोह
कार्यक्रम अध्यक्ष
मुख्य अतिथि
मुख्य वक्ता

लघु उद्योग भारती राजस्थान के जयपुर अंचल की दूसरी महिला इकाई भरतपुर का शुभारंभ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इकाई में संरक्षक श्रीमती रजनी अग्रवाल, श्रीमती सुनीता अग्रवाल, श्रीमती स्वर्ण सचदेवा, अध्यक्ष श्रीमती कविता गोयल, सचिव श्रीमती हरप्रीत मग्गो, कोषाध्यक्ष श्रीमती सोनल गुप्ता, मीडिया प्रभारी श्रीमती भारती गुप्ता व कार्यकारणी सदस्य श्रीमती मीरा गोयल, श्रीमती रीना चौधरी, श्रीमती मंजू सिंह, श्रीमती अलीना गोयल को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजूसिंह, अंचल अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार गर्ग और अंचल महामंत्री सुश्री सुनीता शर्मा उपस्थित रहे।

□ □ □

भीलवाड़ा में नव इकाई गंगापुर का गठन

लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा की चौथी एवं चित्तौड़ प्रांत की 52 वी इकाई गंगापुर के गठन का कार्यक्रम 5 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ। गंगापुर इकाई अध्यक्ष श्री शेषकरण शर्मा, सचिव श्री (सीए) रमेश कुमावत एवं कोषाध्यक्ष श्री मनीष अजमेरा को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने भारत के गौरवशाली अतीत और उद्योग, कर्म, कौशल सामर्थ्य की अपार संभावनाओं के साथ भारत को विश्व की उभरती सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताया। उन्होंने संगठन के विस्तार को नहीं, बल्कि उद्योग हित में राष्ट्र उद्धार को लक्ष्य बताया।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़, प्रदेश महामंत्री श्री योगेन्द्र शर्मा, प्रांत अध्यक्ष श्री पवन गोयल, प्रांत महामंत्री श्री प्रवीण गुप्ता और प्रांत कोषाध्यक्ष श्री ज्ञान मेहता के साथ स्थानीय उद्यमियों की उपस्थिति रही।

□ □ □

भीलवाड़ा महिला इकाई ने शुरू किया रोजगार सृजन केन्द्र

लघु उद्योग भारती राजस्थान में भीलवाड़ा महिला इकाई द्वारा रोजगार सृजन केन्द्र का शुभारम्भ किया गया। इस केन्द्र में महिलाओं को सिलाई व अन्य कार्यों का प्रशिक्षण देकर उन्हें साधन भी उपलब्ध करवाये जायेंगे। भीलवाड़ा में रेडीमेंट गारमेन्ट की अनेक इकाईयां हैं। इन प्रशिक्षित महिलाओं को रेडीमेंट गारमेन्ट उद्योगों से जोड़कर आत्मनिर्भर व सक्षम बनाने का कार्य लघु उद्योग भारती की टीम द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़, चितौड प्रान्त अध्यक्ष श्री पवन गोयल, महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी लढडा, इकाई अध्यक्ष श्री शम्भुप्रसाद काबरा, श्री महेश हुरकुट, श्री राजकुमार मेलाना, श्री रामकिशोर काबरा, श्री गिरीश अग्रवाल, श्री कमलेश, श्री अनूप, श्री संजय चिरांनिया, श्रीमती विमला, डॉ.ज्योति वर्मा, श्रीमती नीतू ओसवाल और श्रीमती मोनिका गर्ग सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं। ☐☐☐

राजसमंद में नव इकाई करेड़ा का गठन

लघु उद्योग भारती राजसमंद में नव इकाई करेड़ा का गठन 5 अक्टूबर को हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़, प्रदेश महामंत्री श्री योगेंद्र शर्मा, प्रांत अध्यक्ष श्री पवन गोयल, प्रांत महामंत्री श्री प्रवीण गुप्ता, प्रांत कोषाध्यक्ष श्री ज्ञान मेहता की उपस्थिति रही। इकाई अध्यक्ष श्री सुख लाल गुर्जर, सचिव श्री लादूराम गुर्जर और कोषाध्यक्ष श्री हस्तीमल जैन को मनोनीत किया गया।

☐☐☐

राजसमंद महिला इकाई ने स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी का किया आयोजन

लघु उद्योग भारती राजस्थान की राजसमंद महिला इकाई ने स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी का आयोजन किया। उद्घाटन योगी संतोष गिरी और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने किया। प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रीना राठौर एवं श्रीमती अंजु सिंह, प्रांत अध्यक्ष श्री पवन गोयल, जयपुर अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा नाथानी, महासचिव श्रीमती रूपाली सक्सेना, उदयपुर अध्यक्ष श्रीमती सीमा पारीक एवं भीलवाड़ा अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी लढ़ा ने महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित किया। ☐☐☐

झालावाड़ में स्वच्छता अभियान किया शुरू

भारत के प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप एक अक्टूबर को लघु उद्योग भारती एवं समाज सेवी संस्था रोट्रेक्ट क्लब ब्रजनगर झालावाड़ द्वारा स्वच्छ भारत-स्वच्छ झालावाड़ की शुरुआत कर सफाई अभियान चलाया गया। अग्रवाल समाज अध्यक्ष व रोटरी के सहायक प्रांतपाल श्री संजय अग्रवाल, सभापति श्री संजय शुक्ला, उप सभापति श्री प्रदीप राजावत, रोट्रेक्ट अध्यक्ष श्री यशराज जैन ने झालावाड़ निवासियों व सभी दुकानदारों से अनुरोध किया कि कचरा सिर्फ़ डस्टबिन में जमा करे। झालावाड़ की सभी सामाजिक संस्थाएं मिलकर पूरे बाजार में डस्टबिन का निःशुल्क वितरण करेंगी। ☐☐☐

झालावाड़ में लोकमत परिष्कार का किया आयोजन

लघु उद्योग भारती झालावाड़ की ओर से आयोजित लोकमत परिष्कार कार्यक्रम का आयोजन तीस अक्टूबर को हुआ। कार्यक्रम में विभाग प्रचारक श्री हेमेंद्र सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित रहे। ☐☐☐

अजमेर की पालड़ा इकाई ने रीको क्षेत्र में पार्क लिया गोद

लघु उद्योग भारती वाटिका

एलयूबी राजस्थान की पालड़ा इकाई (अजमेर) द्वारा रीको इंडस्ट्रियल एरिया में पार्क गोद लेकर लघु उद्योग भारती वाटिका का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, पूर्व अध्यक्ष श्री बलदेव भाई प्रजापति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल, प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़, महामंत्री श्री योगेंद्र शर्मा सहित चित्तौड़ प्रांत, जयपुर प्रांत व जोधपुर प्रांत के अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहे। अजमेर इकाई द्वारा संगठन के भवन निर्माण हेतु रीको से जमीन आवंटन का आवेदन किया हुआ है जिसका अवलोकन भी किया गया।

□□□

कोटा इकाई ने जीएसटी अधिकारियों से किया संवाद

एलयूबी राजस्थान की कोटा इकाई ने नवनिर्मित जीएसटी भवन में अधिकारियों से 11 अक्टूबर को शुभकामनाएं दी। जीएसटी के विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। चर्चा में वरिष्ठ सदस्य श्री गोविंदराम मित्तल, श्री यशपाल भाटिया, श्री मनोज राठी, सीए योगेंद्र गुप्ता, राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष सीए श्री महेश गुप्ता, कोटा मुख्य इकाई अध्यक्ष श्री नितिन अग्रवाल, सचिव श्री संदीप जांगिड़, कोषाध्यक्ष सीए संदीप बाकलीवाल, श्री केपी सिंह, श्री अंकुर गुप्ता, श्री दीपक मेहता, रानपुर इकाई सचिव श्री नभ शर्मा तथा कोषाध्यक्ष श्री पूरण गुप्ता उपस्थिति रहे।

□□□

कोटा में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी होगी आयोजित

कोटा महिला इकाई जनवरी में स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी को आयोजित करेगी। तीन दिवसीय ये प्रदर्शनी 5 से 7 जनवरी, 2024 को आयोजित होगी जिसके लिए सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

□□□

उदयपुर में मादरी इकाई का मिलन कार्यक्रम आयोजित

उदयपुर, राजस्थान की मादरी इकाई का प्रथम मासिक मिलन आयोजित किया गया। 55 सदस्यों के साथ इकाई के अध्यक्ष व सचिव ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर उदयपुर इकाई के अध्यक्ष श्री मनोज जोशी व प्रांत उपाध्यक्ष श्रीमती रिना राठौड़ ने भी अपने सुझाव दिये।

□□□

किशनगढ़ में महिला उद्यमिता और कौशल विकास पर संगोष्ठी

महिला उद्यमियों में कौशल विकास एवं एमएसएमई के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से महिला इकाई-किशनगढ़ द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती संतोष बजाज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर सिडबी एग्जीक्यूटिव मैनेजर श्री अमित ने ओएनजीसी डिजिटल प्लेटफॉर्म के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रदूषण नियंत्रण मंडल-किशनगढ़ की वाणिज्यिक अधिकारी श्रीमती कृर्ति शर्मा ने महिलाओं को अपने कौशल का विकास कर स्वयं को सशक्त करने की अपील की। प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू सिंह ने महिलाओं को उद्योग क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित

किया। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मुकेश अग्रवाल ने महिलाओं को राष्ट्र-हित में अपने मताधिकार का सदुपयोग करने की अपील की। जयपुर अंचल सचिव श्रीमती सुनीता शर्मा ने संगठन को महिला उद्यमियों के लिए उचित अवसर प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम बताया।

□□□

किशनगढ़ कार्यकारिणी की मासिक बैठक संपन्न

लघु उद्योग भारती, किशनगढ़ की मासिक कार्यकारिणी बैठक 28 अक्टूबर को आयोजित हुई जिसमें सदस्यों ने चुनाव आचार संहिता के कारण व्यावसायिक गतिविधियों पर विपरीत प्रभाव पड़ने को लेकर चर्चा की इस विषय पर इकाई के संरक्षक सदस्य श्री भागीरथ चौधरी ने जिला कलेक्टर को समस्या से अवगत कराया एवं चैकिंग व्यवस्था में ढील बरत कर व्यापारी एवं आमजन को राहत प्रदान करने की अपील की। बैठक में लोकमत परिष्कार और राष्ट्रीय हित विषयक चर्चा में श्री राम अवतार अग्रवाल, संरक्षक सदस्य श्री महेंद्र पाटनी, इकाई अध्यक्ष श्री उमेश गोयल, चित्तौड़ प्रांत सह सचिव श्री दीपक शर्मा ने अपने विचार प्रकट किए और शत-प्रतिशत मतदान की अपील की।

□□□

जोधपुर प्रांत में मथानिया इकाई का गठन

लघु उद्योग भारती राजस्थान के जोधपुर प्रांत में मथानिया इकाई का गठन 7 अक्टूबर को किया गया। मथानिया इकाई में श्री नीतेश बूब अध्यक्ष, श्री हनुमान चण्डक व श्री दुर्गेश राठी उपाध्यक्ष, श्री सुनील राठी सचिव तथा श्री हितेश राठी कोषाध्यक्ष मनोनीत किये गए. 10 कार्यकारिणी सदस्य भी बनाये गये।

समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनशयाम ओझा, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग सदस्य श्री रतनलाल डागा, प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़, प्रांत अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा, प्रदेश संयुक्त महामंत्री श्रीमती मंजू सारस्वत और श्री सुरेश विशनोई समेत स्थानीय उद्यमी उपस्थित रहे। मंडोर इकाई अध्यक्ष पूनम तंवर एवं श्री घनश्याम खत्री ने कार्यक्रम का संचालन किया।

□□□

बीकानेर इकाई में कार्यकारिणी का किया विस्तार

बीकानेर इकाई की बैठक आहूत कर कार्यकारिणी का विस्तार के साथ नवम्बर माह में आयोजित होने वाले स्वयं सिद्धा मेले की व्यवस्था की चर्चा भी की गई। बीकानेर महिला इकाई एवं खारा इकाई के गठन की योजना एवं सदस्यता विस्तार की विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में 101 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया। प्रान्त उपाध्यक्ष श्री बालकिशन परिहार ने बताया कि बीकानेर इकाई द्वारा तेरांपथ भवन मे दिनांक 3 से 5 नवम्बर को आयोजित होने वाले 'महिला उद्यमिता प्रोत्साहन मेले स्वयंसिद्धा' के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में बीकानेर इकाई कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए श्री सुभाष मित्तल, श्री उमाशंकर माथुर और श्री कन्हैयालाल सेठिया को संरक्षक और श्री राजेश गोयल, श्री शिवनारायण बिश्नोई, श्री आशीष अग्रवाल, श्री बाबूलाल सोनी और श्री पारस बोथरा को उपाध्यक्ष, श्री प्रकाश नवहाल को सचिव, श्री सुरेश राठी और श्री करून बंसल को महासचिव, श्री मोहित करनानी को कोषाध्यक्ष सहित 12 सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया।

□□□

एलयूबी शिष्टमंडल ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री से की उद्यमियों की समस्याओं पर चर्चा

लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा के नेतृत्व में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से भेंट कर भू-जल दोहन से संबंधित उद्यमियों की विभिन्न समस्याओं व सुझावों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उल्लेखनीय है कि बालोतरा, जसोल एवं बिठूजा में लवणीय भूजल दोहन के

उपयोग को तो शुल्क मुक्त रखा गया है, लेकिन उद्यमियों के समय पर अनापत्ति प्रमाण–पत्र नहीं लेने अथवा आवेदन के नवीनीकरण में देरी होने पर भारी पेनल्टी लगायी जाती है।

शिष्टमंडल ने एमेनेस्टी योजना लागू कर नियमानुसार नये/नवीनीकरण आवेदनों के अनापत्ति प्रमाण–पत्र जारी करने, विभाग की वेबसाईड पर उद्योगों के यूजर आईडी व पासवर्ड बदलने पर 5 हजार के शुल्क को माफ करने, लघु व सूक्ष्म उद्योगों को भूजल निकासी की 10 से बढ़ाकर 25 केएलडी करने की मांग रखी गयी। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ एवं जोधपुर प्रान्त अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। □□□

EC held at Chandigarh Unit

LUB’s Chandigarh Unit conducted an Executive meeting on {th Oct. President Shri Avi Bhasin welcomed all executives. General Secretary Shri Manish Nigam informed about meeting agenda. Following points were discussed:

1. It was decided that if LUB’s name is added to respondents list, then Rs.50000/- can be contributed in this expenses for the case of Joint Forum, Industries vs Chandigarh Administration in high court.

2. Decided to constantly persue Administration and MCC for Lease to free hold, Fire policy, violation notices, OTS scheme from Sale Tax Department etc.

3. Decided to increase member base.

4. Finance Secretary Shri sandeep Mongia presented the income and e&penditure of the unit.

5. Decided to form Women Cell at Chandigarh.

□□□

एलयूबी मुख्यालय पर चंडीगढ़ विषयक हुई चर्चा

पंजाब प्रदेश व केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के संगठनात्मक, नीतिगत और प्रशासनिक विषयों पर 16 अक्टूबर को विस्तार से चर्चा की गई। राष्ट्रीय महासचिव श्री ओमप्रकाश गुप्ता, उपाध्यक्ष एडवोकेट श्री अरविंद धूमल, सचिव श्रीमती अंजू बजाज, पंजाब प्रदेश उपाध्यक्ष श्री विक्रांत शर्मा, राष्ट्रीय उद्योग महाकुंभ के संयोजक व बठिंडा के जिलाध्यक्ष श्री उत्तम गोयल एवं अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। □□□

TN Unit Discussed for Organizational Growth

LUBÓs TN State Vice President Shri Arunachalam, Madurai District President Shri Aravind, Secretary Shri Shyam Narayanan and Shri Senthil discussed activities, organization growth and membership for South Tamilnadu districts and proposed new unit at Virudhunagar and Theni districts. □□□

LUB’s TN Team Discussed about Exhibition

LUB’s TN Team including State President M. Sivakumar, Joint General Secretary R. Kalyansundaram and Salem District President N. Senthil Kumar discussed for fourthcoming Exhibition to be organised in Hosur Dharmapuri District. On this occassion, National Joint General Secretary Shri. Mohanasundaram and Shri Hariharan Ramamoorthy and other office bearers were present.

□□□

Team TN Discuss for New Unit @ Krishnagiri

LUBÓs Team Tamilnadu conducted a meeting for initiating new unit at Krishnagiri. On this occasion,

Shri Kotteswaran, President, Sidco Industrial Estate Association, Shri M. Mohanasundaram, National Joint General Secretary, Shri M. Sivakumar, State President, Shri R.Kalyansundaram, State Joint General Secretary, Shri Senthil Kumar, Salem District President and Krishnagiri MSME entrepreneurs participated.

Coimbatore Unit organised Free Eye Check-up Camp

Coimbatore Unit hosted monthly event for organising a free eye check-up camp. CBE Unit Secretary Shri Sivasakthi shared the report of previous month. LUB signed MOU with IIVM trust. They are truly service minded and giving top notch service by using AI Technology. Hapoy Valley CEO Shri Kanakaraj explained about launching a website comprising details of LUB Members, CBE. Tata Nexarc supported this program. Shri Manikandan, Shri Muruganandham of sales team explained their service in growing our business by linking an organization with government and Tata tenders through GEM portal. Vote of thanks was given by Treasurer Shri Chandar.

हिमाचल प्रदेश की नई कार्यसमिति गठित

लघु उद्योग भारती की बद्दी इकाई में आयोजित प्रदेश बैठक के दौरान हिमाचल प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा की गई. इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट अरविन्द धूमल, हिमाचल प्रभारी श्री विक्रम बिन्दल, अध्यक्ष श्री हरबंस पटियाल व अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

एलयूबी वाराणसी ने छात्रों को प्रोत्साहन प्रमाण-पत्र प्रदान किये

एमएसएमई सैमसंग टेक्निकल स्कूल औद्योगिक क्षेत्र वाराणसी में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर लघु उद्योग भारती काशी प्रांत अध्यक्ष श्री राजेश सिंह ने सैमसंग के श्रेष्ठ छात्रों को प्रोत्साहन प्रमाण–पत्र प्रदान किये जिससे संगठन से जुड़े उद्यमियों के कारखानों में बच्चों को नौकरी तथा ट्रेनिंग प्राप्त करने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम में श्री राजेश चौधरी, श्री वीरेंद्र राना, श्री रितेश बरनवाल (सहायक निदेशक एमएसएमई वाराणसी), श्री ज्योति शंकर मिश्रा, श्री विजय कुमार, सुश्री प्रियंका, श्री प्रतियुष श्रीवास्तव, श्री सर्वेश श्रीवास्तव, श्री अरुण सिंह, श्री गुलशन मौर्या, श्री राजीव कुमार एवं प्रशिक्षु छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री हिमांशु शेखर ने किया।

एलयूबी बल्लभगढ़ इकाई के सदस्यों की जनप्रतिनिधि से भेंट

लघु उद्योग भारती हरियाणा की बल्लभगढ़ इकाई के सदस्यों ने स्थानीय विधायक श्री नयनपाल रावत से भेंट कर जाजरू और सेक्टर 59 औद्योगिक क्षेत्र में सड़क के बुनियादी ढांचे और पानी की आपूर्ति की समस्या पर बात की जिसे शीघ्र ही हल करने के लिए आश्वासन दिया गया। बैठक में एलयूबी कार्यकारी सदस्य श्री अरुण बजाज और हरियाणा के प्रभारी ने भी विशेष तौर पर भाग लिया।

LUB's Women Wing conducted a Seminar under Skill Development Scheme at Baroda Unit on 26th Oct., 2023.

LUB's Delegation of Pharma Utpad Samuh met Union Health Minister Shri Mansukh Mandaviya to take up various issues of MSMEs in regards to Inspection Procedures by Authorities and various other concerns of the Industry.

LUB's Kolkata Unit conducted a Meeting with Executive Members of West Bengal.

Samiksha's
Crafty Girl Studio

LUB's Hoshiarpur Unit of Punjab State organized an Exhibition on 13th October, 2023.

LUB's Officials with their Family Members showering Flowers on the Path of Sanchalan of Rashtriya Swayamsevak Sangh on Vijayadashami Utsav at Kota.

Team LUB consisting of five dedicated members had the privilege of visiting CSIR-CBRI Roorkee under the esteemed leadership of Director Professor R. Pradeep Kumar.

LUB's Coimbatore Unit (Tamilnadu) members met with Union Finance Minister Smt. Nirmala Sitharaman proposed to Reduce Job Order GST 5 percent instead of 12 on 3rd October, 2023.

Bihar State Udyami Sammelan was conducted in the presence of Union MoS Rural Development Shri Giriraj Singh, Former Governor Shri Ganga Prasad Chaurasia, National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji and National President Shri Ghanshyam Ojha at Patna.

Laghu Udyog Bharati and JC Bose University Mechnexttech Club held a session on the opportunities and Future in the field of Electrical Vehicles. Young students gave a very comprehensive presentation.

LUB's Jodhpur Prant conducted a Meeting of an Executive Committee in the presence of State President Shri Shanti Lal Balad and Prant President Shri Mahavir Chopra on 31st October, 2023.

A Special Meeting was arranged by the Department of Industry, Govt. of Assam on the visit of the Secretary, Ministry of MSME, Govt. of India with local Industrialists and Entrepreneurs at Guwahati.

An In House Monthly Magazine of Laghu Udhog Bharti, Published by Om Prakash Mittal Printed at RAJ BLOCKS, B-81, Road No. 4, 22 Godown Industrial Area Kartapura, JAIPUR-302019